इतिहास (प्रश्न-पत्र–I)

समय : तीन घण्टे

2021

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़िए)

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द-सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

HISTORY (PAPER–I)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

raadheythevisiion.in

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009

खण्ड—A / SECTION—A

1. आपको दिए गए मानचित्र पर अंकित निम्नलिखित स्थानों की पहचान कीजिए एवं अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में उनमें से प्रत्येक पर लगभग *30* शब्दों की संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। मानचित्र पर अंकित प्रत्येक स्थान के लिए स्थान-निर्धारण संकेत क्रमानुसार नीचे दिए गए हैं :

Identify the following places marked on the map supplied to you and write a short note of about *30* words on each of them in your Question-cum-Answer Booklet. Locational hints for each of the places marked on the map are given below seriatim : 50

(i) पुरापाषाणकालीन स्थल

Paleolithic site

(ii) मध्यपाषाणकालीन स्थल

Mesolithic site

(iii) नवपाषाणकालीन स्थल

Neolithic site

(iv) नवपाषाणकालीन-ताम्राश्मयुगीन स्थल

Neolithic-Chalcolithic site

(v) हड़प्पाकालीन स्थल

Harappan site

(vi) आद्य-ऐतिहासिक एवं ऐतिहासिक स्थल

Proto-historic and historic site

(vii) अभिलेखीय स्थल

Inscriptional site

(viii) जैन विहार स्थल

Jain monastic site

raadheythevisiion.in

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009

(ix) सिक्कों का ज़खीरा
Coin hoard

(x) पुरापाषाणकालीन स्थल
Paleolithic site

(xi) मृण्मूर्तिकला स्थल
Terracotta site

(xii) शैल्यकृत गुफाएँ
Rock-cut caves

(xiii) प्राचीन विद्या केन्द्र
Ancient learning centre

(xiv) राजनैतिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र
Political and cultural centre

(xv) बौद्ध स्थल
Buddhist site

(xvi) प्राचीन बन्दरगाह
Ancient port

(xvii) प्रारंभिक ऐतिहासिक स्थल
Early historic site

(xviii) हाथीदाँत का ज़खीरा
Ivory hoard

(xix) बौद्ध संघाराम केन्द्र
Buddhist monastic centre

(xx) मंदिर संकुल
Temple complex

raadheythevisiion.in

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009

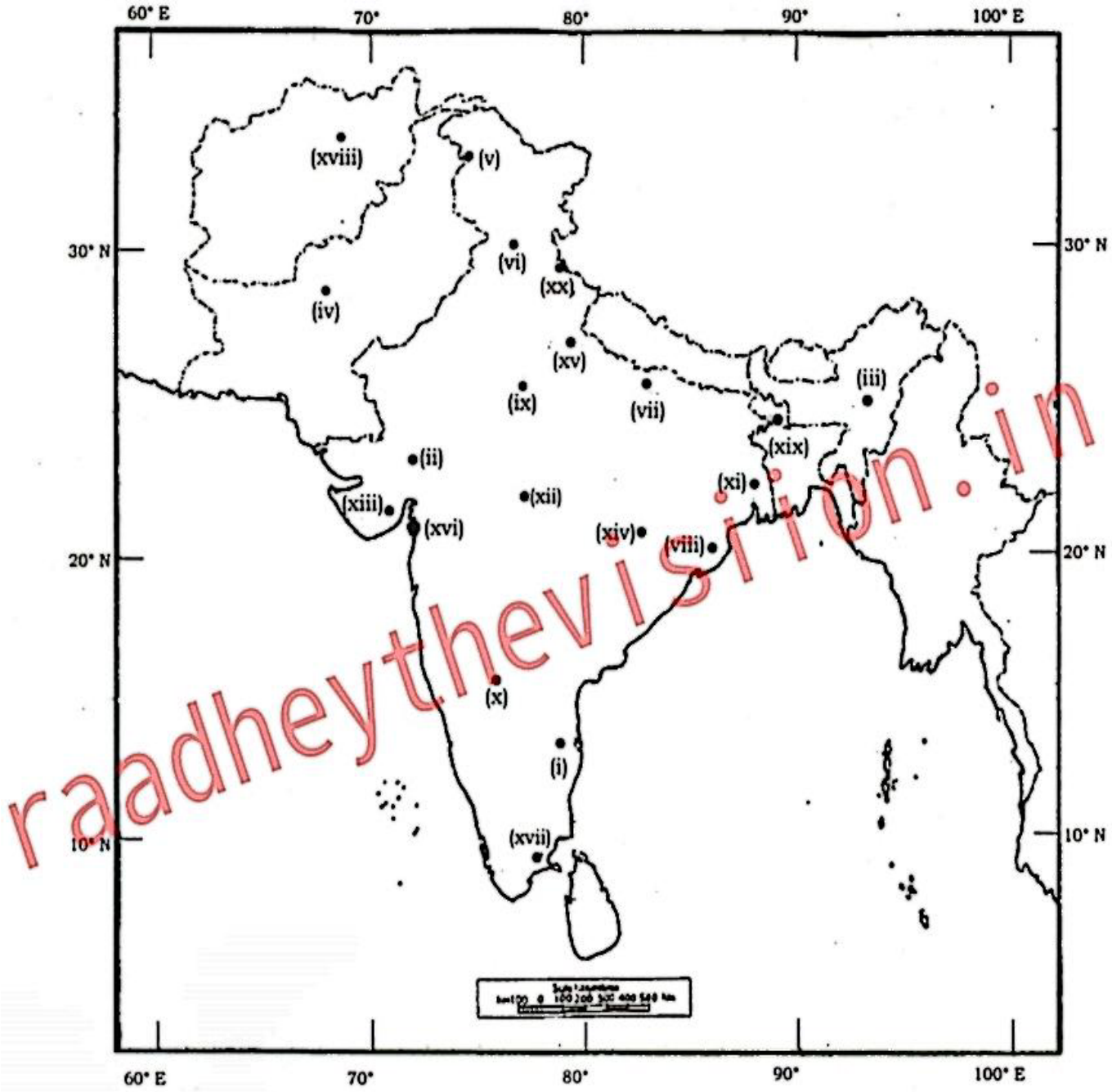

raadheythevisiion.in

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009

2. (a) क्या आप सहमत हैं कि पारिस्थितिक कारकों ने हड़प्पीय सभ्यता के प्रवाह एवं ह्रास को प्रभावित किया? टिप्पणी कीजिए।

Do you agree that ecological factors influenced the flow and ebb of the Harappan Civilization? Comment. 20

(b) क्या आप मानते हैं कि उपनिषदीय सिद्धांत वैदिक धार्मिक विचारों की उच्च स्थिति को मूर्त रूप देते हैं? टिप्पणी कीजिए।

Do you consider that the Upanishadic principles embody the high point of Vedic religious thought? Comment. 15

(c) मौर्योत्तरकालीन कला पर बाह्य प्रभावों एवं देशज विकास के महत्त्व का विश्लेषण कीजिए।

Analyze the significance of external influences and indigenous development on post-Mauryan art. 15

3. (a) क्या महापाषाण को एकल, समरूप अथवा समकालीन संस्कृति का प्रतिनिधि मानना उपयुक्त होगा? महापाषाण-कालीन संस्कृतियों से किस प्रकार के भौतिक जीवन व सांस्कृतिक व्यवस्था का पता चलता है?

Will it be proper to consider the megaliths to represent a single, homogeneous or contemporaneous culture? What kind of material life and cultural system is revealed in the megalithic cultures? 15

(b) कौटिल्य के *अर्थशास्त्र* के आधार पर आप मौर्य राज्य के स्वरूप का चित्रण कैसे करेंगे?

How would you characterize the nature of Mauryan state on the basis of Kautilya's *Arthashastra*? 20

(c) 'वर्णाश्रम धर्म' कैसे गुप्त एवं गुप्तोत्तर काल में सामाजिक एवं आर्थिक विकास से उत्पन्न होने वाली बढ़ती सामाजिक जटिलताओं को प्रदर्शित करता है?

How did the *Varnashrama Dharma* manifest the increasing social complexities in the Gupta and post-Gupta period arising from social and economic developments? 15

4. (a) "शासकों की राजनैतिक व आर्थिक आवश्यकताओं ने व्यापारी वर्ग की आर्थिक व सामाजिक स्थिति की जरूरतों से मिलकर एकसाथ ग्रहणशील सांस्कृतिक वातावरण प्रदान किया जिसमें बौद्ध धर्म विकसित हुआ।" टिप्पणी कीजिए।

"The political and economic needs of rulers, combined with economic and status needs of the merchant class, together provided the receptive cultural milieu in which Buddhism flourished." Comment. 20

raadheythevisiion.in

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009

(b) प्रारंभिक मध्यकालीन भारत में अब तक गैर-कृषियोग्य क्षेत्रों में बड़ी संख्या में भूमि अनुदान निरपवाद रूप से कृषि-विस्तार के उद्देश्य से था। जल संसाधनों (विभिन्न प्रकार के सिंचाई कार्य) के प्रबंधन ने इस काल में कृषि-विस्तार को कैसे सुगम बनाया?

Large number of land grants in hitherto non-arable tracts invariably meant expansion of agriculture in early medieval India. How did the management of hydraulic resources (different types of irrigation works) facilitate expansion of agriculture in this period? 15

(c) प्रारंभिक मध्यकालीन भारत में स्थानीय भाषाओं में साहित्य के आविर्भाव एवं क्षेत्रीय पहचान के निर्माण के बीच संबंध की विवेचना कीजिए।

Discuss the relationship between emergence of literature in vernacular languages and formation of regional identities in early medieval India. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about *150* words each : 10×5=50

(a) भारतीय सामंतवाद के विविध चरणों की विवेचना करते हुए भारतीय राजनैतिक व्यवस्था पर इसके प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

Discuss the different stages of Indian feudalism and analyze its impact on Indian political system.

(b) क्या आप सुल्तान इल्तुतमिश को दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक मानते हैं? विवेचना कीजिए।

Do you consider Sultan Iltutmish to be the real founder of the Delhi Sultanate? Discuss.

(c) दिल्ली सल्तनत काल में उभरकर आए विविध प्रकार के पारसी साहित्य की पहचान कीजिए।

Identify the different categories of Persian literature which emerged during the Delhi Sultanate.

(d) पानीपत के प्रथम युद्ध में इब्राहिम लोदी के विरुद्ध बाबर की सफलता के कारणों का परीक्षण कीजिए।

Examine the causes of Babur's success against Ibrahim Lodi in the First Battle of Panipat.

(e) राज्य के प्रति चिश्ती संतों के रुख (ऐटिट्यूड) की विवेचना कीजिए। सरकार के प्रति अपने रवैये में सुहरावर्दी संत कैसे भिन्न थे?

Discuss the attitude of Chishti saints towards the state. How were the Suhrawardi saints different in their attitude towards the government?

raadheythevisiion.in

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009

6. (a) सिख समुदाय के निर्गुण भक्ति संप्रदाय से राजनीतिक-सैन्य संगठन में परिवर्तन की विवेचना कीजिए।

Discuss the transformation of Sikh community from a Nirguna Bhakti sect into a politico-military organization. 15

(b) अभिजात-वर्ग के साथ बहलोल लोदी के संबंध पर अपना आकलन प्रस्तुत कीजिए।

Give your assessment of Bahlul Lodi's relation with his nobility. 15

(c) ताजमहल के विशेष संदर्भ में मुगल मकबरा स्थापत्य की मौलिक विशेषताओं का परीक्षण कीजिए।

Examine the basic features of Mughal tomb architecture with special reference to the Taj Mahal. 20

7. (a) 'इक्ता' प्रथा के महत्त्व की विवेचना कीजिए। दिल्ली सल्तनत के प्रशासन के केन्द्रीयकरण में इसने कैसे मदद की?

Discuss the importance of *Iqta* system. How did it help in centralization of administration of the Delhi Sultanate? 15

(b) खलजी शासनकाल 'खलजी क्रांति' के रूप में क्यों जाना जाता है?

Why is the reign of the Khaljis known as the 'Khalji Revolution'? 15

(c) सत्रहवीं सदी के उत्तरार्द्ध का मुगल भारत जागीरदारी संकट के काल के रूप में जाना जाता है। विवेचना कीजिए।

The late seventeenth century Mughal India is considered to be a period of Jagirdari crisis. Discuss. 20

8. (a) "चोल शासक न केवल प्रबल विजेता, कुशल प्रशासक थे बल्कि उत्कृष्ट मंदिरों के निर्माता भी थे।" टिप्पणी कीजिए।

"The Chola rulers were not only mighty conquerors, efficient administrators but also builders of fine temples." Comment. 15

(b) अकबर और राजपूत राज्यों के बीच संबंधों की प्रासंगिक दृष्टांतों के साथ चर्चा कीजिए।

Discuss with relevant illustrations the relations between Akbar and the Rajput states. 15

(c) बंगाल, अवध और हैदराबाद जैसे राज्यों को मुगल राज्य के 'उत्तराधिकारी राज्य' मानना कहाँ तक उचित है?

How far is it justified to consider the states like Bengal, Awadh and Hyderabad as 'successor states' of the Mughal state? 20

★ ★ ★

raadheythevisiion.in

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009